STUDY NOTES · BASIC CONCEPT

युद्ध और वैश्विक

अर्थव्यवस्था –कैसे है

निर्णायक मोड़ पर दुनिया ?

Indian Economy
26 Apr 2021

1. वैश्विक संघर्षों का बढ़ता प्रभाव

दुनिया इस समय कई बड़े संघर्षों से गुजर रही है, जिनमें Russia-Ukraine War
और मिडिल ईस्ट में बढ़ता तनाव प्रमुख हैं। इन युद्धों ने केवल
राजनीतिक समीकरण ही नहीं बदले, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की
नींव को भी हिला दिया है। लगातार बढ़ती अनिश्चितता के कारण देशों
के बीच भरोसा कम हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ रहा है
, जिसका सीधा असर आर्थिक गतिविधियों पर दिख रहा है।

2. ऊर्जा संकट और तेल कीमतों में उछाल

युद्ध का सबसे बड़ा असर ऊर्जा सेक्टर पर पड़ा है। खासकर Strait of Hormuz
जैसे अहम समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से तेल की सप्लाई अस्थिर
हो गई है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की
कीमतों में तेजी आई है। ऊर्जा महंगी होने से उत्पादन लागत बढ़ती है,
जिसका असर हर सेक्टर —उद्योग , परिवहन और घरेलू खर्च —पर पड़ता है।

3. महंगाई और आम जनता पर दबाव

ऊर्जा और कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर महंगाई पर
पड़ा है। खाने -पीने की चीजें , ईंधन, बिजली और रोजमर्रा की जरूरतें
महंगी हो गई हैं। इससे आम लोगों की आय और खर्च के बीच संतुलन बिगड़
रहा है। खासकर विकासशील देशों में यह दबाव ज्यादा महसूस किया जा
रहा है, जहां पहले से ही आर्थिक संसाधन सीमित हैं।

4. सप्लाई चेन और व्यापार में बाधाएं

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

युद्ध के कारण वैश्विक सप्लाई चेन बार -बार टूट रही है। कई
महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग बाधित हो रहे हैं या महंगे हो गए हैं।
इससे उद्योगों को कच्चा माल समय पर नहीं मिल पाता, जिससे उत्पादन
में गिरावट आती है। निर्यात और आयात दोनों प्रभावित हो रहे हैं,
जिससे वैश्विक व्यापार की गति धीमी पड़ रही है।

5. निवेश और बाजार में अस्थिरता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि युद्ध के माहौल में निवेशकों का भरोसा
कमजोर हो जाता है। शेयर बाजार में उतार -चढ़ाव बढ़ जाता है और
विदेशी निवेश घट सकता है। अनिश्चितता के कारण कंपनियां नए निवेश
और विस्तार के फैसले टाल देती हैं, जिससे आर्थिक विकास की रफ्तार
प्रभावित होती है।

6. एक्सपर्ट्स की चेतावनी : निर्णायक मोड़

अर्थशास्त्रियों के अनुसार , वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय एक “
टर्निंग पॉइंट ” पर खड़ी है। अगर युद्ध लंबे समय तक जारी रहता है, तो
दुनिया को मंदी (recession), लगातार महंगाई और आर्थिक विभाजन जैसी
समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि
आने वाले समय में लिए गए फैसले तय करेंगे कि स्थिति सुधरेगी या और
बिगड़ेगी।

7. भारत पर प्रभाव और रणनीति

भारत पर भी इन वैश्विक घटनाओं का असर पड़ रहा है, खासकर तेल आयात और
महंगाई के रूप में। ह???लांकि , भारत अपनी रणनीतियों —जैसे वैकल्पिक
ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, व्यापारिक साझेदारों को विविध
बनाना और घरेलू उत्पादन बढ़ाना —के जरिए इस प्रभाव को संतुलित
करने की कोशिश कर रहा है। इससे भारत को इस अनिश्चित माहौल में
अपेक्षाकृत स्थिर रहने में मदद मिल सकती है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias